an>

Title: Regarding sanction of funds for Kumbharam Lift Canal Project in Jhunjhunu Parliamentary Constituency of Rajasthan.

श्रीमती संतोÂष अहलावत (झुंझुनू): अध्यक्ष महोदया, मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करना चाहती हूं कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record like this. Only Shrimati Santosh Ahlawat's statement will go on record.

*â€¦(Interruptions)â€¦**

श्रीमती संतोÂष अहलावत: माननीय अध्यक्ष महोदया, मानसून की कमजोर आवक और भूजल के गिरते स्तर के कारण मेरे संसदीय क्षेत्र में गंभीर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। ...(व्यवधान) इसका एकमात्र समाधान सतही जल है, जिसके लिए मेरे राज्य की सरकार ने केन्द्र सरकार को वित्तीय सहायता के लिए एक प्रपत्र भेजा है। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से माननीय ग्रामीण पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री जी से अनुरोध करना चाहती हूं कि राजस्थान सरकार के पेयजल संबंधी उस प्रस्ताव पर वित्तीय सहायता प्रदान करने की कृपा करें, मैं आपके प्रति आभारी रहूंगी। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री चन्द्र प्रकाश जोशी,

श्री देवजी एम. पटेल एवं

श्री दुष्यंत सिंह को श्रीमती संतोÂष अहलावत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : देखिए, ऐसा नहीं होता है। जब सबने मिलकर तय किया है और इसको एक्सेप्ट भी किया गया है कि नियम 193 के अंतर्गत पूरी चर्चा हो, उसमें किसी को कम समय नहीं मिलना है, आपको भी समय मिलेगा। आप चाहें तो पहले वक्ता बनिए, सभी को समय मिलेगा। किसानों के लिए सभी लोग परेशान हैं, पूरा देश चिंतित है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : इसीलिए मुझे बोलने की अनुमति दीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जब चर्चा होनी है तो हल्ला-गुल्ला करके किसी भी बात का निÂष्कÂर्ष नहीं निकलता है। हम यहां नीति निर्धारण के लिए बैठे हैं, नियम 193 के अंतर्गत विस्तृत चर्चा कीजिए, अपनी बातें रखिए, इसलिए अभी कोई हल्ला नहीं होगा। नियम 193 के अंतर्गत इस विषय पर चर्चा होगी और सभी को पूरा मौका मिलेगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैडम, मुझे बोलने की अनुमति दीजिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: नहीं, ऐसा नहीं होता है। अभी नहीं।

डॉ. रमेश पोखरियाल जी ।